कक्षा 6

प्रतिभा वर्ग

सत्रवार पाठ्यक्रम

विषय सामाजिक विज्ञान

सत्र 2018–19

विषय	विषयवस्तु	सुझावात्मक गतिविधियाँ	अधिगम संप्राप्ति
सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन	**विविधता की समझ** लोगों का अनेक मामलों जैसे धर्म, रुप–रंग, लिंग, रहन–सहन, क्षेत्र, खान–पान, भाषा आदि के रुप में भिन्न होना। विविधता हमारे जीवन को कैसे समृद्ध करती है?	• अपने साथी सें उसकी मनपसंद चीजें पूछें जैसे – रंग, भोजन, फल, त्यौहार इत्यादि। इनकी तुलना अपनी मनपसंद की चीजों से करें।फिर कक्षा में चर्चा करें	• अपने आस–पास की मानवीय विविधताओं के विभिन्न रुपों को समझना और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना। • विविधता के बावजूद हमारे देश में अनेकता में एकता के प्रति समझ विकसित करना।

	भारत में विविधता, हम विविधता को कैसे समझें? भारत के संदर्भ में विविधता में एकता।	तथा विविधता को समझें। • विद्याार्थियों को समूह में बाँटकर कुछ राज्यों के खान–पान, पहनावा, भाषा, त्यौहार इत्यादि के बारे में कोलॉज का निर्माण एवं अनेकता में एकता पर चर्चा।	
सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन	**पाठ – 2 विविधता एवं भेदभाव** पूर्वाग्रह, लड़के और लड़की में भेदभाव, रुढ़िवादी	• अपने आस–पास होने वाली भेदभावपूर्ण घटनाओं की सूची तैयार करना।	• विभिन्न प्रकार के भेदभावों को समझना तथा उनकी प्रकृति एवं स्रोत को समझना। • समानता एवं असमानता के

	धारणाएँ बनाना, असमानता एवं भेदभाव, भेदभाव का सामना करने पर, समानता के लिए संघर्ष।	• अपने आस–पास की तीन रुढ़िबद्व धारणाओं की सूची बनाएँ। क्या इस तरह की धारणाएँ रखना सही है? • अखबार में छपी भेदभाव से संबंधित तीन खबरों पर कक्षा में चर्चा करें।	विभिन्न रुपों मे भेद करना एवं उनके प्रति स्वस्थ भाव विकसित करना।
सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन	**पाठ –5 पंचायती राज** ग्रामसभा तथा उसके कार्य, पंचायत के कार्य तथा आय के स्रोत, पंचायत के स्तर	• कक्षा में अपने आस–पास की किसी सार्वजनिक समस्या को खोजना तथा समाधान	• पंचायत की कार्य प्रणाली समझ जाऐंगें।

		हेतु नाट्य–रुपातंरण	
पृथ्वी हमारा आवास	पाठ 1 सौरमंडल में पृथ्वी चंद्रमा के आकार के आधार पर पूर्णिमा तथा अमावस्या, खगोलीय पिण्ड, तारा, नक्षत्र मण्डल, ध्रुव तारा, ग्रह, सौरमण्डल, प्रकाश की गति, प्राकृतिक एवं मानव निर्मित उपग्रह, क्षुद्रग्रह, उल्कापिण्ड, आकाशगंगा, ब्रह्मांड।	• विद्यार्थियों द्वारा सौरमण्डल के ग्रहों की स्थिति बताते हुए पृथ्वी के घूर्णन व परिक्रमण का अभिनय। • कुछ ग्रहों और उपग्रहों की सूची बनाना।	• सौरमण्डल की अवधारणा को समझ सकेंगें। • तारों,ग्रहों,उपग्रहों जैसे सूर्य, पृथ्वी तथा चंद्रमा में अंतर कर पाना।
पृथ्वी हमारा	पाठ 2 ग्लोबः अक्षांश एवं	• ग्लोब पर अक्षांश व	• ग्लोब पर किसी स्थान की सटीक

आवास	**देशांतर** अक्ष, ग्लोब तथा ग्लोब पर बनी विभिन्न काल्पनिक रेखाओं की जानकारी, महत्वपूर्ण अक्षांशों को बताना, पृथ्वी के विभिन्न ताप कटिबंध, देशांतर रेखाओं की जानकारी, प्रमुख याम्योत्तर, देशांतर एवं समय, मानक समय का निर्धारण। (हम मानक समय क्यों मानतें है?)	देशांतर की खोज। • दो स्थानों के बीच देशांतरों के आधार पर समय की गणना करना। • पृष्ठ – 17 पर दिए गए खेल को खिलाएँ।	स्थिति का पता लगा पाना।अक्षांश और देशांतर के आधार पर तथा उस स्थान के समय को जान पाऐंगें।
पृथ्वी हमारा आवास	**पाठ–3 पृथ्वी की गतियाँ** पृथ्वी की	• पृथ्वी की गति	दिन–रात तथा ऋतुओं की समझ विकसित होना घूर्णन एवं

	दैनिक एवं वार्षिक गतियों की जानकारी, दिन–रात तथा ऋतुओं का बनना, लीप वर्ष, उत्तर अयनांत, दक्षिण अयनांत, विषुव।	समझाने के लिए चित्रों, मॉडल तथा दृश्य–श्रव्य सामग्रियों का प्रयोग। • पृथवी की घूर्णन एवं परिक्रमण गतियों का रोल–प्ले।	परिक्रमण की अवधारणा को अच्छे से समझ पाना।
हमारे अतीत ।	**अध्याय–1 : क्या,कब,कहाँ और ,कैसे?** पाठ्य पुस्तक की प्रस्तावना–क्यों पढें हम इतिहास ? अतीत के बारे में हम क्या जान सकते हैं? लोग कहाँ रहते थे? आज लोग	एक पुरातत्वविद के साथ छद्म साक्षात्कार –छोटे समूह में,दो एसे प्रश्न जिसे आप पुरातत्वविद से पूछना चाहते हैं,को तैयार करें एवं चर्चा करें।	• इस बात को समझ पाना कि हमें अपने अतीत को पढ़नें की जरुरत क्यों है? जिसने हमारे वर्तमान को आकार दिया है। • यह समझ पाना कि इतिहासकार विभिन्न स्रोतों के द्वारा अतीत के बारे में कैसे जानते हैं।

	यात्राएँ क्यों करते हैं? अतीत के बारे में कैसे जानें? अतीत एक या अनेक? तिथियों का मतलब, मानचित्र कार्य।		विभिन्न प्रकार के स्रोतों जैसे– पुरातात्विक, साहित्यिक आदि को तथा इतिहास की समझ विकसित करने में इनकी भूमिका को समझ सकेंगें।
हमारे अतीत ।	**पाठ – 2 आरम्भिक मानव की खोज में।** आरम्भिक मानव इधर–उधर क्यों घूमते थे। आरम्भिक मानव के विषय में जानकारी कैसे मिलती है? पत्थर के औजार, रहने	• विभिन्न काल में पत्थर के औजारों के निर्माण को समझ सकेगें। • एक काल के औजार दूसरे काल से अलग क्यों है – इसकी समूह में चर्चा।	• यह समझ पाऐंगें कि महत्वपूर्ण विकास जैसे आग की खोज, अनाज की खेती, औजार, पात्र आदि से इतिहास को दिशा मिली या मानव जीवन प्रभावित हुआ।

	की जगह निर्धारित करना, आग की खोज, बदलती जलवायु, शैल चित्रकलाः इनसे हमें क्या पता चलता है? कौन क्या करता था? हुस्ंगी का सूक्ष्म निरीक्षण मानचित्र कार्य		
हमारे अतीत ।	**पाठ 3 भोजनः संग्रह से उत्पादन तक** विभिन्न प्रकार के भोजन, खेती और पशुपालन की शुरुआत, एक नवीन जीवन शैली,	• भोजन के अतिरिक्त जानवरों से प्राप्त होनें वाली वस्तुओं की सूची बनाओं। मानव द्वारा खाये जाने वाले	• इस बात को समझ पाना की मानव आखेटक से खाद्य संग्राहक कैसे बना?

	जानवरः चलते–फिरते खाद्य भण्डार, आरंभिक कृषक एवं पशुपालक, स्थायी जीवन की ओर, अन्य रीति–रिवाज, सूक्ष्म–निरीक्षण (मेहरगढ़ में जीवन मृत्यु) (दाओजली हेडिंग)	अनाजों की सूची तैयार करें।	
हमारे अतीत ।	**पाठ : 4 आरंभिक नगर** प्रसंगः हडप्पा की कहानी, नाले और सडकें, नगरीय जीवन, नगर एवं नए शिल्प, कच्चे	• हडप्पा के शहर तथा वर्तमान शहरों में तुलना, समानताएँ एवं असमानताओं पर कक्षा में	• प्रारम्भिक नगर सभ्यता (हडप्पा) और वर्तमान शहरों की प्रमुख विशेषताओं को समझ पाना। • भारत के रेखा मानचित्र पर आरंभिक सिंधु सभ्यता के शहरों

	माल की खोज में, नगरों में रहने वालों के लिए भोजन, गुजरात में हडप्पाकालीन नगर का सूक्ष्म निरीक्षण, सभ्यता के अंत का रहस्य, मानचित्र कार्य।	चर्चा। हडप्पा के शहरों को रेखा मानचित्र पर दर्शाना।	को दर्शा पाऐंगें।
हमारे अतीत ।	**पाठ 6: राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य** प्रसंग: कुछ लोग शासक कैसे बनें? वर्ण व्यवस्था, जनपद महाजनपद, कर, कृषि में परिवर्तन,	• **मानचित्र कार्य:** भारत के रेखा मानचित्र में प्रमुख जनपद, महाजनपदों को चिन्हित कीजिए।	• प्रारम्भिक गणराज्य से शक्तिशाली राज्य के विकास के परिप्रेक्ष्य तथा प्रक्रिया को समझ पाऐंगें।

	सूक्ष्म निरीक्षण– मगध, वज्जि मानचित्र कार्यः महत्वपूर्ण जनपद महाजनपद एवं शहर		

सत्र ।।

अक्टूबर से फरवरी

विषय	विषयवस्तु	सुझावात्मक गतिविधियाँ	अधिगम संप्राप्ति
समाजिक एवं राजनीतिक जीवन	**पाठ–6 गाँव का प्रशासन** गाँव, पुलिस थाने का क्षेत्र, पुलिस थाने में होनें वाला काम, ग्रामों में राजस्व विभाग के कार्य,	• पुलिस थाने का कक्षा में नाट्य रूपांतरण।	• पुलिस थाने की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगें। • पटवारी के कार्य व जमीन के

	पटवारी तथा अधिकार के लिए बिल।		रिकॉर्ड की देख–रेख के विषय में जानकारी रख सकेंगें।
समाजिक एवं राजनीतिक जीवन	**पाठ 7 नगर का प्रशासन** नगर एवं गाँव प्रशासन की तुलना, नगर निगम तथा महानगरपालिका और उनके प्रमुख कार्य, निगम पार्षद एवं प्रशासनिक कर्मचारी, नगर निगम को पैसा कहाँ से आता है? जनता द्वारा विरोध के कारण व तरीके	• निगम पार्षद की भूमिका मे शिक्षक: शिक्षक स्वयं इस भूमिका में रहें और बच्चों सें निगम– पार्षद के कार्यों एवं भूमिका से संबंधित प्रश्न पूछने के लिए कहें एवं चर्चा करें। • दिल्ली नगर निगम के विभिन्न कार्यों की सूची बनायें।	• नगर प्रशासन के विभिन्न आयामों को समझ सकेंगें। • स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में नगर स्थानीय स्वशासन के अंगों के कार्यों को समझ पाऐंगें।
	पाठ–9 शहरी क्षेत्रों में	• अपने पडोस के लोगो के	• शहरी क्षेत्र में विभिन्न

समाजिक एवं राजनीतिक जीवन	आजीविका शहरी क्षेत्र में आजीविका के विभिन्न साधन, जैसे–नौकरी–पेशा, स्वरोजगार, सडकों पर काम करना, छोटी–2 दुकानें, व्यापार का नया रूप, बडे –2 मॉल फैक्ट्री, चौक बाजार, दिहाडी मजदूर, कॉल सेंटर, बुढ़ापे के लिए बचत।	द्वारा आजीविका के लिए किए जाने वाले कार्यों की सूची बनाएँ।	रोजगारों के प्रकार तथा इसकी उपलब्धता के कारणों को समझ पाऐंगें।
पृथ्वी हमारा आवास	**पाठ 4 मानचित्र** मानचित्र एवं मानचित्र के प्रकार, मानचित्र के घटक, प्रतीक,रेखाचित्र, खाका, प्रधान दिगबिंदु।	• निम्नलिखित रेखा मानचित्र का निर्माण करें। अपने घर से बाजार तक अपनें घर से विद्यालय तक	• मानचित्र एवं इसके विभिन्न घटकों जैसे प्रतीको, दिशाएँ एवं स्थानों की दूरी का प्रयोग कर

			सकेंगें।
पृथ्वी हमारा आवास	**पाठ 5** **पृथ्वी के मुख्य परिमंडल** भूमण्डल, वायुमण्डल तथा जलमण्डल, पृथ्वी के पर्यावरण के प्रमुख घटक, महाद्वीपों का अध्ययन, जलमण्डल तथा प्रमुख महासागर, वायुमण्डल तथा उसकी विभिन्न सतह, जीवमण्डल के प्राणियों का जन्तु जगत और पादप जगत में विभाजन	• विश्व मानचित्र पर विभिन्न महाद्वीपों एवं महासागरों को प्रदर्शित करना।	• पृथ्वी के प्रमुख परिमण्डलों की पहचान कर पाऐंगें। • पृथ्वी के परिमण्डलों की सह–संबंधता को समझ पाऐंगें।
पृथ्वी हमारा आवास	**पाठ 7** **हमारा देश भारत**	• भारत के राजनीतिक मानचित्र पर	• भारत के मानचित्र पर पर्वत,

	ग्लोब पर भारत की स्थिति, भारत का अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार, प्रमुख पडोसी देश, भारत के राज्य एवं उनकी राजधानियाँ, राजनीतिक एवं प्रशासनिक विभाजन, भौतिक विभाजनः पर्वत,पठार, मैदान,तट,द्वीप–समूह इत्यादि मानचित्र कार्य।	भारत के राज्य तथा पडोसी देश, तथा भारत के अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार को प्रदर्शित कीजिए।	पठार, मैदान, नदियों, मरूस्थल, राज्य व पडोसी देशों इत्यादि को दर्शा पाऐंगें।
हमारे अतीत ।	**पाठ – 7 नए प्रश्न, नए विचार** बौद्व धर्म तथा जैन धर्म का उदय, बुद्व और महावीर का जीवन परिचय, उपनिषद, संघ,	• अध्याय में उल्लिखित किन्हीं पाँच विचारों तथा प्रश्नों की सूची तैयार करो तथा चर्चा करो की वे	• इस काल में नए विचारों तथा धर्म के विकास के परिप्रेक्ष्य को समझ पाऐंगें तथा

	विहार, आश्रम व्यवस्था, बौद्व धर्म और जैन धर्म की प्रमुख शिक्षाएँ।	आज भी क्यों महत्वपूर्ण है?	इससे जुडे प्रमुख विचारों एवं मूल्यों को समझ पाऐंगें।
हमारे अतीत ।	**अशोकः एक अनोखा सम्राट जिसने युद्व का त्याग किया।** मौर्य साम्राज्य तथा उसका विस्तार, साम्राज्य का प्रशासन, अशोक–एक अनोखा सम्राट, कलिंग का युद्व, अशोक का धम्म, अशोक का युद्व त्याग, अशोक के अभिलेख। भाषा और लिपि, मानचित्र कार्यः अशोक के अभिलेखों से संबंधित स्थल,	• अगर आप शासक होते तो आने वाली पीढियों के लिए क्या संदेश लिखते। • कोलॉज पर अपने संदेश लिखें तथा कक्षा में दिखाएँ। • भारत के रेखा मानचित्र पर मौर्य साम्राज्य के प्रमुख नगरों तथा जहाँ सम्राट अशोक के अभिलेख पाएँ गए है उन्हें दिखाइए।	• मौर्य साम्राज्य के महत्वपूर्ण योगदानों जैसे– कला, स्थापत्य कला, प्रशासन, धर्म, विदेश नीति इत्यादि को समझ पाऐंगें।

	प्रमुख शहर		
हमारे अतीत I	**पाठ 10: व्यापारी, राजा और तीर्थयात्री** व्यापार और व्यपारियों के बारे में जानकारी, तटीय राज्य तथा उनका व्यापारिक महत्व, बौद्व धर्म का प्रसार, भारत आए विभिन्न तीर्थयात्री, भक्ति की शुरूआत।	• प्राचीनकाल में भारत – भ्रमण पर आए विभिन्न विदेशी तीर्थयात्रियों की सूची तैयार करें। • उनसें संबंधी वृतांतों कों कक्षा में सुनाऐं। • सिल्क रूट के बारे में सूचना प्राप्त करे। यह इतना महत्वपूर्ण क्यों था।	• भारत के रेखा मानचित्र पर सिल्क रूट की पहचान कर पाएँगें। • भारत में बौद्व एवं भक्ति आंदोलन के उदय के कारणों की व्याख्या कर पाऐंगें।

पुनरावृत्तिः

निम्नलिखित पाठों का मूल्याकंन वार्षिक परीक्षा में भी किया जाऐगा।

- पाठ – 2 ग्लोब, अक्षांश तथा देशांतर(पृथ्वी हमारा आवास)
- पाठ – 5 पंचायती राज (सामाजिक व राजनीतिक जीवन)

नोटः

अध्यापक के लिए:

- संपूर्ण पाठ्यक्रम को जनवरी तक पूर्ण किया जाए।
- मानचित्र, चित्रों एवं बॉक्स में दी गई सूचना कों ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- अध्यापकों के लिए दी गई प्रस्तावना एवं सूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- पाठ्यक्रम में दिए गए क्रियाकलाप केवल सुझावात्मक हैं, अध्यापक द्वारा अन्य क्रियाकलाप भी करवाए जा सकते हैं।
- पाठ्यपुस्तक के अंत में दिए गए संदर्भ लिंकों को इंटरनेट पर खोजें।

विद्यार्थियों के लिए:

- पाठगत मानचित्रों का नियमित अभ्यास करें।
- अपनी कॉपी में भारत एवं विश्व का रंगीन मानचित्र संलग्न करें।
- पारिभाषिक शब्दावली को पाठ के आरम्भ में लिखें।
- समाचार पत्र एवं संदर्भग्रंथों कों विद्यालय पुस्तकालय से लेकर पढ़ें।
- टी.वी. एवं रेडियो पर नियमित रूप से समाचारों को सुनें।
- पाठ्यपुस्तक के अंत में दिए गए संदर्भ लिंकों को इंटरनेट पर खोजें।